राष्ट्रीय
सहारा
25/12/2022

ोएसए में रही क्रिसमस की
म, बच्चों को मिले उपहार

गृह विज्ञान विभाग के क्रिसमस समारोह में बच्चों को उपहार देतीं शिक्षिकाएं।

ुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के गृह विज्ञान महाविद्यालय में र को क्रिसमस पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर कॉलेज के नर्सरी रवेशन लैव को सितारों, रंगीन गुब्बारों व खिलौनों से सजाया गया। नन्हें-मुन्ने बच्चों के लिए कहानियां प्रस्तुत की गई। बच्चों को उपहार भी वितरित किये गये।

ोएससी सामुदायिक विज्ञान की छात्राओं ने 'संता की कहानी' का चित्रण कर क्रिसमस की परंपरा एवं सांता के बारे में बताया गया। 'हामिदे बच्चे भी सांता क्लॉज बनकर आये ामिद का चिमटा', 'शेर व चूहे की कहानी' जैसी कहानियों की प्रस्तुति भी की गई। बच्चों प्समस की कहानी जानी और क्रिसमस ट्री के इर्द-गिर्द उत्साहित होकर डांस किया। ाता गृह विज्ञान डॉ. मुक्ता गर्ग ने बच्चों को केक एवं चॉकलेट वितरित किये विभाग की ाओं रेनू, डॉ. मधुलिका शर्मा, डॉ. सुमेधा चौधरी व कॉलेज की छात्राएं सुकृति, मेधा, ा, अनुष्का आदि ने आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाकर बच्चों को प्रोत्साहित किया।

रहस्य संदेश

रविवार
25 दिसंबर 2022

छात्र छात्राओं के साथ क्रिसमस दिवस मनाया, एवं नन्हे-मुन्ने बच्चों को उपहार वितरित किए

(अनवर अशरफ)

कानपुर (रहस्य संदेश)चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के गृह विज्ञान महाविद्यालय के मानव विकास विभाग में क्रिसमस पर्व को स्कूल के छात्र छात्राओं के साथ बड़े उत्साह पूर्ण तरीके से मनाया गया। जिसमें नर्सरी ऑब्जरवेशन लैब को सितारों, रंगीन गुब्बारों एवं खिलौनों से सजाया गया। नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए नैतिक कहानियां प्रस्तुत की गई। प्रस्तुति बीएससी सामुदायिक विज्ञान की छात्राओं द्वारा की गई। %संता की कहानी% का पूर्ण चित्रण कर क्रिसमस मनाने की परंपरा एवं संता के बारे मे विस्तार से बताया गया।एवं %हामिद का चिमटा%, %शेर और चूहे की कहानी% जैसी

कहानियों की प्रस्तुति की गई। क्रिसमस की झांकी में आकर्षित क्रिसमस ट्री सजाया गया। और सभी बच्चे संता क्लॉज बनकर आए। बच्चों ने क्रिसमस की कहानी जानी और क्रिसमस ट्री के इर्द-गिर्द उत्साह से डांस किया। बच्चे संता से उपहार पाकर प्रसन्न हुए। अधिष्ठाता गृह विज्ञानं संकाय डॉ . मुक्ता गर्ग ने बच्चों को केक एवं चॉकलेट वितरित किये। इस कार्यक्रम मे विभाग की शिक्षिकाएं श्रीमती रेनू, डॉ मधुलिका शर्मा, डॉक्टर सुमेधा चौधरी, कॉलेज की छात्राएं, सुकृति, मेधा, अंशिका, अनुष्का आदि भी उपस्थित रही।

75 | मूल्य: ₹3.00/- पेज : 12 लखनऊ | 25 दिसंबर, 2022
@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.jan
लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
जन एक्सप्रेस
मेरी क्रिसमस

सीएसए में बच्चों ने धूमधाम के साथ मनाया क्रिसमस का त्योहार

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय के मानव विकास विभाग में बीते दिन शनिवार को क्रिसमस पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नर्सरी ऑब्जरवेशन लैब को सितारों, रंगीन बैलून एवं खिलौनों से सजाया गया था।

कार्यक्रम में बीएससी सामुदायिक विज्ञान की छात्राओं द्वारा नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए नैतिक कहानियां प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में संता की कहानी का पूर्ण चित्रण कर क्रिसमस मनाने की परंपरा एवं सांता के बारे में बताने के साथ हामिद का चिमटा, शेर और चूहे की कहानी जैसी कहानियां भी प्रस्तुत की गई। क्रिसमस की झांकी में आकर्षित क्रिसमस ट्री सजाया गया और सभी बच्चे संता क्लॉज बनकर आए। बच्चों ने क्रिसमस की कहानी जानी और क्रिसमस ट्री के इर्द-गिर्द उत्साह से डांस किया व सांता से उपहार पाकर प्रसन्न हुए।

दैनिक जागरण कानपुर 25/12/2022

क्रिसमस के उपलक्ष्य में बच्चों को दिए गए उपहार

कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान महाविद्यालय में क्रिसमस पर्व स्कूली बच्चों के साथ मनाया गया। बीएससी सामुदायिक विज्ञान की छात्राओं ने नर्सरी लैब को सितारों, रंगीन गुब्बारों व खिलौनों से सजाया। झांकी में क्रिसमस ट्री सजाया गया और बच्चे संता क्लाज की पोशाक में आए। नृत्य के बाद उन्हें संता क्लाज से उपहार भी मिले। अधिष्ठाता डा. मुक्ता गर्ग ने केक व चाकलेट बांटे। इस दौरान रेनू, डा. मधुलिका शर्मा, डा. सुमेधा चौधरी आदि रहीं। वि.

मुहर भी लगी है। (वि.)

दैनिक जागरण कानपुर 25/12/2022

'फसल विशेष के उत्पादन में माडल बनें गांव, निर्यात से सुधारें आर्थिक तंत्र'

- कानपुर विजन-2047 में विशेषज्ञ बोले-किसानों को बदलना होगा
- प्राकृतिक व गो आधारित खेती से जुड़कर लाएं मजबूती

जागरण संवाददाता, कानपुर : फसल विशेष के उत्पादन में माडल गांव बनाने संग निर्यात पर फोकस कर आर्थिक तंत्र सुधारना होगा। किसान परंपरागत खेती के दायरे से निकलकर नया करें। कृषक उत्पादक संगठन यानी एफपीओ के माध्यम से समूह व क्लस्टर बना प्राकृतिक और गो आधारित खेती का रकबा बढ़ाएं। जिला स्तर पर वेयर हाउस व कोल्डचेन बनें। कृषि क्षेत्र रोजगार देने में अव्वल है। शहरी क्षेत्र में ऐसी बिल्डिंगें बनें, जिनकी छतों और छज्जों पर वर्टिकल फार्मिंग की जा सके। ये बातें कानपुर विजन-2047 में कृषि क्षेत्र के योगदान पर मंथन के दौरान विशेषज्ञों ने शनिवार को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान स्थित आडिटोरियम में जिले के सैकड़ों किसानों के बीच कहीं।

मंडलायुक्त डा राजशेखर ने कहा, कानपुर का बेहतर, चौतरफा व समुचित विकास बिना कृषि क्षेत्र को जोड़े संभव नहीं है। किसान परंपरागत खेती संग सब्जियों के उत्पादन, दुग्ध, पशु, मछली व मधुमक्खी पालन, बागवानी से जुड़ें। डीएम विशाख जी ने कहा, स्वाधीनता के 100 वर्ष पूरे होने पर प्रदेश की वन ट्रिलियन इकोनामी में किसानों का योगदान अहम है। सीडीओ सुधीर कुमार ने कहा, फसल उगाने से बिक्री तक किसानों को सहूलियतें देंगे। मिट्टी सुधार, फसल विविधीकरण पर फोकस करना है।

कानपुर विजन-2047 को लेकर परिचर्चा में सीएसए के कृषि वैज्ञानिक डा.राजीव (बाएं से दूसरे) ने विचार व्यक्त किए। साथ में सीएसए के सह निदेशक प्रसार डा.सुभाष चंद्र (दाएं से दूसरे), निदेशक शोध डा.करम हुसैन (दाएं) व डा.खलील खान (बाएं)मौजूद रहे • जागरण

विशेषज्ञ व किसानों ने रखी राय

वंशा सिंह, डा. करम हुसैन, डा. खलील खान, डा. राजीव, पवन कुमार, डा. डी स्वेन, कमलदीप सिंह, हरिशरण सिंह, डा. पीके कटियार, डा. केएन तिवारी, दीपेंद्र शुक्ला, डा महक सिंह, विवेक चतुर्वेदी, डा. मनोज कटियार, डा. प्रसून वर्मा।

बचाएं जमीन, बेसहारा पशुओं को न छोड़ें

प्रगतिशील किसान जय नारायण सिंह ने कहा, शहरीकरण से खत्म हो रही जमीन बचाएं। तालाब बनवाने बाध्य किया जाए। किसान बेसहारा पशु न छोड़ें, प्रशासन सख्ती करे। भूजल के लिए हर खेत में वाटर रीचार्ज सिस्टम बने। सत्यभान सचान ने कहा, भूप्रबंधन करके छोटी जोतों को एक जगह लाएं।

विजन-2047 के लिए मंथन में निकलीं प्रमुख बातें

- ऊसर व बंजर जमीन को उपजाऊ बनाने, जल संरक्षण व प्राकृतिक स्रोत बचाने संग तालाबों-नहरों को सुदृढ़ करना होगा।
- किसानों को ऋण मुहैया कराने में तेजी, 25 से 35 प्रतिशत तक प्राकृतिक खेती व बाकी में परपरागत खेती और बागवानी को बढ़ावा।
- पेस्टीसाइड व रासायनिक खादों से कैंसर समेत अन्य घातक बीमारियां हमलावर हैं। जीवामृत, घन जीवामृत व बीजामृत की ओर बढ़ना होगा।
- पाली हाउस बन रहे, अब मिनी पाली हाउस, रूफ टाप फार्मिंग, मोटे अनाज, हर्बल गार्डन व प्रदूषण कम करने पर सोचें।
- गंगा किनारे के गांवों में प्राकृतिक खेती हो, विपणन की व्यवस्था अच्छी की जाए।
- स्मार्ट वेजिटेबल का घरों में मिट्टी रहित उत्पादन, आठ से 15 दिन में फसल वाली माइक्रोग्रीन खेती हो।
- जमीन बचाने, खरीद क्षमता बढ़ाने व पानी की अधिक खपत रोकनी होगी।
- फूल उत्पादन से रोजगार मिलेंगे, खाद की समस्या कम होगी।
- गन्ना की खेती में एक एकड़ में 40 हजार लागत व आय 1.20 लाख। गन्ने से कई फ्लेवर का गुड़ बना रोजगार भी दे सकते हैं।
- बेमौसमी फसलें उगाकर स्वयं की आय बढ़ाएं। ऐसा एप लाएं, जिससे किसानों को घर बैठे ही उत्पाद बेचने को तमाम व्यापारी मिलें।
- जैविक कृषि उत्पादों के विपणन, जागरूकता व जोत के हिसाब से इंटीग्रेटेड खेती की ओर बढ़ें।